एस आर कैपिटल पब्लिक स्कूल

ऐसे पथ प्रदर्शक तैयार करना जो मानवता में अपना योगदान दे सकें

क्यू-ब्लॉक, मोहन पार्क, नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032

हमारा लक्ष्य

- बच्चों का सर्वांगीण विकास करना।
- शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक, सामाजिक, भावनात्मक, व रचनात्मक विकास करना।
- बच्चे अपने परिवार से प्यार करें।
- समाज में योगदान दे सकें।
- देश का नाम रोशन कर सकें।
- विश्व में खुशहाली लाकर परमात्मा का कार्य कर सकें।

प्रस्तुतकर्ता

डॉ. लक्ष्य छाबड़िया

प्रबंध निर्देशक, एस आर कैपिटल पब्लिक स्कूल

एस आर कैपिटल पब्लिक स्कूल द्वारा उठाये गए कदम

चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास

एस आर कैपिटल पब्लिक स्कूल द्वारा विद्यार्थियों के लिए '**पंचमय कोश**' का अविराम ज्ञान दिया जा रहा है। जिससे उनके चरित्र एवम् व्यक्तित्व का निर्माण हो रहा है। पंचमय कोश में छात्रों को ऋतभुक्, हितभुक् और मितभुक् के विषय में, दस प्रकार के प्राणों के विषय से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों को पञ्च कर्मेन्द्रियों के विषय में तथा त्राटक विधि से परिचित कराया गया। छात्रों के स्मरणात्मक कौशल में विकास हुआ छात्रों ने जाना कि बुद्धि ही है जो द्वन्द अर्थात् सुख- दुख, हानि-लाभ, मान-अपमान का निर्णय करती है । आध्यात्मिक मार्ग की ओर अग्रसर हुए छात्रों के स्वस्थ तन- मन की राह प्रशस्त हुई। छात्रों की रचनात्मकता, कार्यक्षमता तथा एकाग्रता में विकास हुआ।

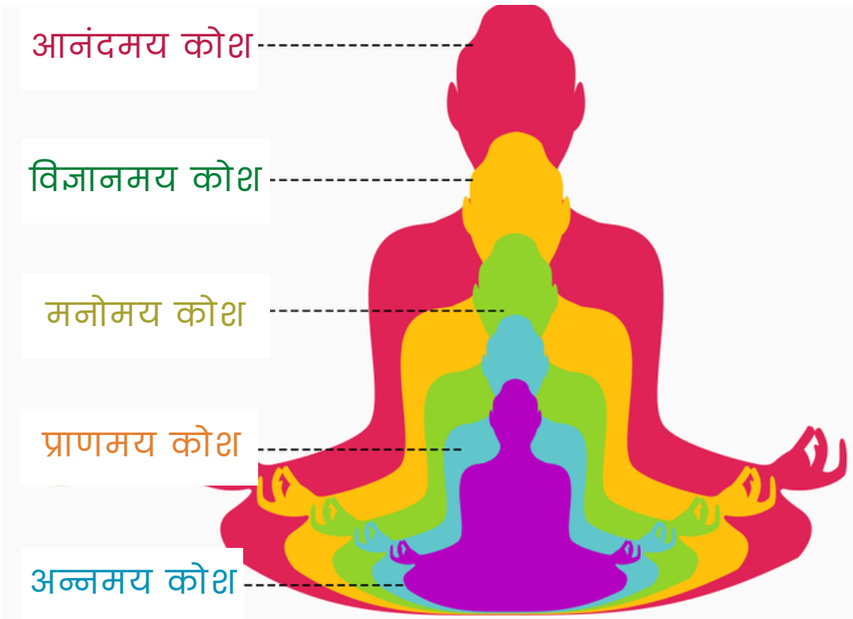

आत्मनिर्भर भारत

- जिसके अंतर्गत २१ दिनों का एक कार्यक्रम चलाया गया।
- जो ३ चरणों में संपन्न हुआ।
- पहले चरण में बच्चों को हाथ से बनी हुई वस्तुएं जैसे कि शगुन आवरण ,कागज निर्मित थैले, लक्ष्मी गणेश जी की मूर्ति, वंदनवार ,सिक्थवर्तिका(मोमबत्ती) इत्यादि बनाना सिखाया गया।
- दूसरे सप्ताह में उन चीजों की फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी सिखाने के साथ-साथ उनका आवरण करना भी सिखाया गया।
- तीसरे चरण में वेबसाइट डेवलपमेंट करना सिखाया गया ताकि बच्चे इस डिजिटल वर्ल्ड में कहीं से भी पीछे ना रह सके।

प्राकृतिक वर्ण उत्पादन

हमारे घर और मंदिर में उपयोग हुए फूल पत्तों को नदियों या कूड़ेदान मे फेंका जाता है। जिससे प्राय: प्रदूषण होता है। विभिन्न प्रकार के प्रदूषण को कम करने तथा पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के लिए विद्यालय शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। कृषि के लिए प्राकृतिक उर्वरक बनाना भी विद्यार्थियों को सिखाया जाता है। विद्यालय एवं घरों में होली महोत्सव हेतु फूलों व पत्तियों से बने प्राकृतिक रंगो का उपयोग किया गया उसी साम्रगी से अगरबत्ती, मुख उबटन बनाना सिखाया गया।

हस्त प्रक्षालन क्षारीय पदार्थ

हम सब के निकेतनों, कार्यालयों में उपयोगी साम्रगी प्रयोग होने के बाद अवशेष रूप में रह जाती है जिसका पुनः प्रयोग किया जा सकता है। विद्यालय के छात्रों द्वारा बचे हुए साबुन को उबालने की प्रक्रिया द्वारा जीवाणु रहित करके उसमे प्राकृतिक वस्तुओं का जैसे तेल, गुलाबजल, ग्वारपाठा का प्रयोग करके हस्त प्रक्षालन क्षारीय पदार्थ (हैण्ड वॉश) बनाया गया।

प्रदर्शनी

हमारी ऐतिहासिक भारतीय संस्कृति, संस्कार व परम्पराओं को नयी युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए विद्यालय द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने उपयोग के बाद बची हुई साम्रगी का प्रयोग करके क्रीड़नको का निर्माण किया। छात्रों ने प्रसिद्ध तीर्थ स्थान पुरी के भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा व बलभद्र का बची हुई साम्रगी से निर्माण किया। महाभारत के पात्रों को कठपुतलियों के माध्यम से चित्रित किया। और बायोस्कोप के द्वारा रामायण का चलचित्र दिखाया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव

विद्यालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। जिसमें भारत द्वारा हर क्षेत्र में की गई प्रगति को दर्शाया गया। विद्यालय द्वारा प्रदर्शनी में भारत की उपलब्धियों को दर्शाया गया। भारत की आत्मनिर्भरता का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण विश्व को सर्वप्रथम कोरोना की वैक्सीन उपलब्ध कराना है। भारत द्वारा विश्व को योग की ओर प्रेरित किया गया। हम भारतवासियों के लिए गर्व की बात है कि मंगल ग्रह के क्षेत्र में पहुंचने वाले विश्व के ४ देशों में एक देश हमारा भारत भी है। शहीद स्मारक की प्रदर्शनी के द्वारा शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई।

स्वशिल्पित प्रदीप

विद्यालय द्वारा छात्रों से दीपावली पर प्रयोग हो चुके दीयों व बची हुए सिक्थवर्तिका(मोमबत्ती) के द्वारा पुनः दीपकों का निर्माण करने के लिए प्रेरित किया गया। जिसे छात्रों ने सफलतापूर्वक किया।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का प्रतिमान केंद्र होने पर हमें गर्व है.

पारिवारिक मूल्यों की संस्कारशाला

संस्कार मनुष्य को आचरणवान और चरित्रवान बनाते है। संस्कार मनुष्य जीवन को परिष्कार एवं शुद्धि प्रदान करते है । विद्यालय द्वारा इसी भाव को आधार मान कर मातृ/ पितृ दिवस, मातापितामह दिवस हर्षोल्लास से मनाया जाता है।

पर्यावरण संरक्षण

विद्यालय द्वारा छात्रों को पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जाता है। विद्यालय द्वारा 5 जून को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा छात्रों को स्वनिकेतन से स्वयं द्वारा रोपित पादप के साथ स्वछायाचित्र विद्यालय को प्रेषित करने के लिए प्रोत्साहित किया। जिसे छात्रों ने उत्साहित होकर पूरा किया ।

योग अभ्यास

योग आज मानव जाति के लिए एक औषधी के समान है। यह औषधी विद्यालय द्वारा प्रतिदिन प्रातःकालीन सभा में छात्रों को दी जाती है । छात्र व छात्राएँ प्रतिदिन अनुलोम विलोम , भ्रामरी , कपालभाति प्राणायामों से दिन का प्रारम्भ करते है।

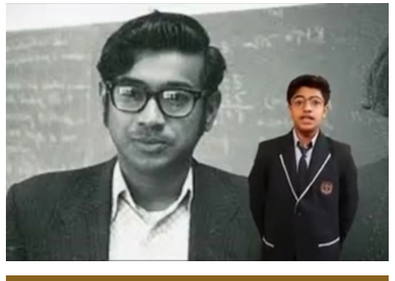

रामानुजन् दिवस

श्रीनिवास रामानुजन् इयंगर एक महान भारतीय गणितज्ञ थे। इन्हें आधुनिक काल के महानतम् गणित विचारकों में गिना जाता है विद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को वैदिक गणित , अंकगणित, ज्यामिति गणित आदि पर आधारित प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। परिणामस्वरूप छात्रों के व्यवहारिक ज्ञान मे वृद्धि होती है।

प्रफुल्ल चंद्र राय दिवस

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की 161वीं जयंती पर आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 2-3 अगस्त, 2022 को छात्र सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य बच्चों में आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की विरासत और योगदान के बारे में बताना तथा इसके महत्त्व के साथ-साथ प्राचीन रसायन विज्ञान के बारे में सामान्य जागरूकता व पृष्ठभूमि को बढ़ाना है।

राष्ट्रीय युवा दिवस

विद्यालय में स्वामी विवेकानन्द की जयंती, अर्थात 12 जनवरी को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। विद्यालय द्वारा राष्ट्र के मौजूदा मामलों में युवाओं की भागीदारी के महत्व के स्वीकरण व अस्वीकरण पर आधारित वाद- विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।